राहुल को वायनाड में संकट दिख रहा... 12
सीएमओ ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन कार्यक्रम का... 10

जन एक्सप्रेस

@janexpressnews janexpresslive janexpresslive www.janexpresslive.com/epaper

लखनऊ
वर्ष: 15 | अंक: 187
मूल्य: ₹3.00/-
पेज : 12
रविवार | 21 अप्रैल, 2024

के.वी.के. स्वर्ण जयंती कार्यक्रम का आयोजन संपन्न

जन एक्सप्रेस । कानपुर नगर

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र धरियाव में शनिवार को केवीके स्वर्ण जयंती कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर किसानो के बीच कृषि तकनीकी प्रसार में कार्य करते हुए 50 वर्ष पूरे होने पर कृषकों के बीच परिचर्चा हुई।देश में सर्व प्रथम 1974 में पुडुचेरी में कृषि विज्ञान केन्द्र की स्थापना हुई उसके बाद निरंतर हर प्रदेश के जनपद में कृषि विज्ञान केन्द्र खोले गए।

आज देश में 731 एवं उत्तर प्रदेश में 86 कृषि विज्ञान केन्द्र खुल चुके है। निदेशक प्रसार डॉ.आर.के. यादव ने मशाल डॉ.साधना बैश, प्रभारी अधिकारी को सौंपी। जिससे जनपद फतेहपुर में ये गोल्डन जुबली मशाल के साथ कृषकों के बीच कृषि विज्ञान केंद्र की भूमिका, उपलब्धियों पर चर्चा कर कृषकों के विचार साझा करने के लिए कार्यक्रम आयोजित किया जाए। कार्यक्रम में सर्बप्रथम कृषकों तथा उपस्थित वैज्ञानिकों का स्वागत किया गया एवं कार्यक्रम के उद्देश्य पर चर्चा की गयी कि कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा 1989 से निरंतर सेवा करते हुए 35 साल पूरे किए है और जनपद के सभी 13 विकासखंडो में कृषि विज्ञान केन्द्र की पहुंच हुई है।

चर्चा में उपस्थित वैज्ञानिकों ने अपने विचार रखे।

कृषकों के बीच केवीके की भूमिका पर चर्चा

❑ कृषि विज्ञान केन्द्र थरियांव में स्वर्ण जयंती कार्यक्रम का हुआ आयोजन

कानपुर, 29 अप्रैल। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र धरियाव में आज केवीके स्वर्ण जयंती कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर किसानो के बीच कृषि तकनीकी प्रसार में कार्य करते हुए 50 वर्ष पूरे होने पर कृषकों के बीच परिचर्चा हुई। देश में सर्व प्रथम 1974 में पुडुचेरी में कृषि विज्ञान केन्द्र की स्थापना हुई उसके बाद निरंतर हर प्रदेश के जनपद में कृषि विज्ञान केन्द्र खोले गए। आज देश में 731एवं उत्तर प्रदेश में 86 कृषि विज्ञान केन्द्र खुल चुके है। निदेशक प्रसार डा. आर. के. यादव ने मशाल डा. साधना बैश, प्रभारी अधिकारी को सौंपी कि जनपद फतेहपुर में ये गोल्डन जुबली मशाल के साथ कृषकों के बीच कृषि विज्ञान केंद्र की भूमिका, उपलब्धियों पर चर्चा कर कृषकों के विचार साझा करने हेतु कार्यक्रम आयोजित किया जाए। कार्यक्रम में सर्बप्रथम कृषकों तथा उपस्थित वैज्ञानिकों का स्वागत किया गया एवं कार्यक्रम के उद्देश्य पर चर्चा किया गया। कृषि विज्ञान केंद्र 1989 से निरंतर सेवा करते हुए 35 साल पूरे किए है और जनपद के समस्त 13 विकासखंडो में कृषि विज्ञान केन्द्र की पहुंच हुई है। चर्चा में वैज्ञानिकों ने अपने विचार रखे जिसमे विभिन्न विकसित माड्यूल , फसल प्रणालियों, विविधीकरण , पशु पालन एवं प्रबंधन की तथा मोती की खेती , एफपीओ के साथ व्यवसायिक प्रशिक्षण आदि के विशेष कार्यक्रम संपन्न किए गए हैं। कृषकों का कृषकों का कहना था कि कृषि विज्ञान केन्द्र, के 35 साल में कई खेती तकनीकी , पशुपालन में परिवर्तन हुए है कृषकों को लाभकारी खेती के कई सफल प्रयोग किए गए है।धन्यवाद ज्ञापन करके कार्यक्रम का समापन किया गया।

कार्यक्रम में शामिल वैज्ञानिक।

आज का कानपुर
21/04/2024
हिन्दी दैनिक

कृषि विज्ञान केन्द्र धरियांव में स्वर्ण जयंती कार्यक्रम का हुआ आयोजन

आज का कानपुर

कानपुर । चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र धरियाव में आज केवीके स्वर्ण जयंती कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर किसानो के बीच कृषि तकनीकी प्रसार में कार्य करते हुए 50 वर्ष पूरे होने पर कृषकों के बीच परिचर्चा हुई।देश में सर्व प्रथम 1974 में पुडुचेरी में कृषि विज्ञान केन्द्र की स्थापना हुई उसके बाद निरंतर हर प्रदेश के जनपद में कृषि विज्ञान केन्द्र खोले गए। आज देश में *731एवं उत्तर प्रदेश में 86 कृषि विज्ञान केन्द्र खुल चुके है।निदेशक प्रसार डाश आरश केश यादव ने मशाल डाश साधना बैश , प्रभारी अधिकारी को सौंपी कि जनपद फतेहपुर में ये गोल्डन जुबली मशाल के साथ कृषकों के बीच कृषि विज्ञान केंद्र की भूमिका , उपलब्धियों पर चर्चा कर कृषकों के विचार साझा करने हेतु कार्यक्रम आयोजित किया जाए। कार्यक्रम में सर्बप्रथम कृषकों तथा उपस्थित वैज्ञानिकों का स्वागत किया गया एवं कार्यक्रम के उद्देश्य पर चर्चा किया गया कि कृषि विज्ञान केंद्र 1989 से निरंतर सेवा करते हुए 35 साल पूरे किए है और जनपद के समस्त 13 विकासखंडो में कृषि विज्ञान केन्द्र की पहुंच हुई है । चर्चा में उपस्थित वैज्ञानिकों ने अपने विचार रखे जिसमे विभिन्न विकसित माड्यूल , फसल प्रणालियों, विविधीकरण , पशु पालन एवं प्रबंधन की तथा मोती की खेती , एफपीओ के साथ व्यवसायिक प्रशिक्षण आदि के विशेष कार्यक्रम संपन्न किए गए हैं। कृषकों ने अपने अपने विचार व्यक्त किए कृषकों का कहना था कि कृषि विज्ञान केन्द्र, के 35 साल में कई खेती तकनीकी , पशुपालन में परिवर्तन हुए है कृषकों को लाभकारी खेती के कई सफल प्रयोग किए गए है।धन्यवाद ज्ञापन करके कार्यक्रम का समापन किया गया।

रहस्य सन्देश 21/04/2024

कृषि विज्ञान केन्द्र थरियांव में स्वर्ण जयंती कार्यक्रम का हुआ आयोजन

अनवर अशरफ

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र धरियाव में आज केवीके स्वर्ण जयंती कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर किसानो के बीच कृषि तकनीकी प्रसार में कार्य करते हुए 50 वर्ष पूरे होने पर कृषकों के बीच परिचर्चा हुई।देश में सर्व प्रथम 1974 में पुडुचेरी में कृषि विज्ञान केन्द्र की स्थापना हुई उसके बाद निरंतर हर प्रदेश के जनपद में कृषि विज्ञान केन्द्र खोले गए। आज देश में 731एवं उत्तर प्रदेश में 86 कृषि विज्ञान केन्द्र खुल चुके है।निदेशक प्रसार डाश आरश केश यादव ने मशाल डाश साधना बैश , प्रभारी अधिकारी को सौंपी कि जनपद फतेहपुर में ये गोल्डन जुबली मशाल के साथ कृषकों के बीच कृषि विज्ञान केंद्र की भूमिका , उपलब्धियों पर चर्चा कर कृषकों के विचार साझा करने हेतु कार्यक्रम आयोजित किया जाए। कार्यक्रम में सर्बप्रथम

कृषकों तथा उपस्थित वैज्ञानिकों का स्वागत किया गया एवं कार्यक्रम के उद्देश्य पर चर्चा किया गया कि कृषि विज्ञान केंद्र 1989 से निरंतर सेवा करते हुए 35 साल पूरे किए है और जनपद के समस्त 13 विकासखंडो में कृषि विज्ञान केन्द्र की पहुंच हुई है ।

चर्चा में उपस्थित वैज्ञानिकों ने अपने विचार रखे जिसमे विभिन्न विकसित माड्यूल , फसल प्रणालियों, विविधीकरण , पशु पालन एवं प्रबंधन की तथा मोती की खेती , एफपीओ के साथ व्यवसायिक प्रशिक्षण आदि के विशेष कार्यक्रम संपन्न किए गए हैं। कृषकों ने अपने अपने विचार व्यक्त किए कृषकों का कहना था कि कृषि विज्ञान केन्द्र, के 35 साल में कई खेती तकनीकी , पशुपालन में परिवर्तन हुए है कृषकों को लाभकारी खेती के कई सफल प्रयोग किए गए है।धन्यवाद ज्ञापन करके कार्यक्रम का समापन किया गया।

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष : 15 अंक : 287 कानपुर, रविवार 21 अप्रैल 2024 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य : 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

कृषि विज्ञान केन्द्र थरियांव में स्वर्ण जयंती समारोह

कानपुर । सीएसए के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र धरियाव में आज केवीके स्वर्ण जयंती कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर किसानो के बीच कृषि तकनीकी प्रसार में कार्य करते हुए 50 वर्ष पूरे होने पर कृषकों के बीच परिचर्चा हुई।देश में सर्व प्रथम 1974 में पुडुचेरी में कृषि विज्ञान केन्द्र की स्थापना हुई उसके बाद निरंतर हर प्रदेश के जनपद में कृषि विज्ञान केन्द्र खोले गए। आज देश में *731एवं उत्तर प्रदेश में 86* कृषि विज्ञान केन्द्र खुल चुके है।निदेशक प्रसार डाश आरश केश यादव ने मशाल डाश साधना बैश , प्रभारी अधिकारी को सौंपी कि जनपद फतेहपुर में ये गोल्डन जुबली मशाल के साथ कृषकों के बीच कृषि विज्ञान केंद्र की भूमिका , उपलब्धियों पर चर्चा कर कृषकों के विचार साझा करने हेतु कार्यक्रम आयोजित किया जाए। कार्यक्रम में सर्बप्रथम कृषकों तथा उपस्थित वैज्ञानिकों का स्वागत किया गया एवं कार्यक्रम के उद्देश्य पर चर्चा किया गया कि कृषि विज्ञान केंद्र 1989 से निरंतर सेवा करते हुए 35 साल पूरे

किए है और जनपद के समस्त 13 विकासखंडो में कृषि विज्ञान केन्द्र की पहुंच हुई है। चर्चा में उपस्थित वैज्ञानिकों ने अपने विचार रखे जिसमे विभिन्न विकसित माड्यूल फसल प्रणालियों, विविधीकरण पशु पालन एवं प्रबंधन की तथा मोती की खेती एफपीओ के साथ व्यवसायिक प्रशिक्षण आदि के विशेष कार्यक्रम संपन्न किए गए हैं। कृषकों ने अपने अपने विचार व्यक्त किए कृषकों का कहना था कि कृषि विज्ञान केन्द्र, के 35 साल में कई खेती तकनीकी , पशुपालन में परिवर्तन हुए है कृषकों को लाभकारी खेती के कई सफल प्रयोग किए गए है।

सत्य का असर समाचार पत्र

Sunday 21st April 2024 jksingh.hardoi@gmail.com website: satyakaasar.com

कृषि विज्ञान केन्द्र थरियांव में स्वर्ण जयंती कार्यक्रम का हुआ आयोजन

पत्रकार जितेंद्र सिंह पटेल

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र धरियाव में आज केवीके स्वर्ण जयंती कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर किसानो के बीच कृषि तकनीकी प्रसार में कार्य करते हुए 50 वर्ष पूरे होने पर कृषकों के बीच परिचर्चा हुई।देश में सर्व प्रथम 1974 में पुडुचेरी में कृषि विज्ञान केन्द्र की स्थापना हुई उसके बाद निरंतर हर प्रदेश के जनपद में कृषि विज्ञान केन्द्र खोले गए। आज देश में *731एवं उत्तर प्रदेश में 86* कृषि विज्ञान केन्द्र खुल चुके है।निदेशक प्रसार डा० आर० के० यादव ने मशाल डा० साधना बैश , प्रभारी अधिकारी को सौंपी कि जनपद फतेहपुर में ये गोल्डन जुबली मशाल के साथ कृषकों के बीच कृषि विज्ञान केंद्र की भूमिका , उपलब्धियों पर चर्चा कर कृषकों के विचार साझा करने हेतु कार्यक्रम आयोजित किया जाए। कार्यक्रम में सर्बप्रथम कृषकों तथा उपस्थित वैज्ञानिकों का स्वागत किया गया एवं कार्यक्रम के उद्देश्य पर चर्चा किया गया कि कृषि विज्ञान केंद्र 1989 से निरंतर सेवा करते हुए 35 साल पूरे किए है और जनपद के समस्त 13 विकासखंडो में कृषि विज्ञान केन्द्र की पहुंच हुई है । चर्चा में उपस्थित वैज्ञानिकों ने अपने विचार रखे जिसमे विभिन्न विकसित माड्यूल , फसल प्रणालियों, विविधीकरण , पशु पालन एवं प्रबंधन की तथा मोती की खेती , एफपीओ के साथ व्यवसायिक प्रशिक्षण आदि के विशेष कार्यक्रम संपन्न किए गए हैं।कृषकों ने अपने अपने विचार व्यक्त किए कृषकों का कहना था कि कृषि विज्ञान केन्द्र, के 35 साल में कई खेती तकनीकी , पशुपालन में परिवर्तन हुए है कृषकों को लाभकारी खेती के कई सफल प्रयोग किए गए है।धन्यवाद ज्ञापन करके कार्यक्रम का समापन किया गया।

अमर भारती
एक उम्मीद
03 रु. RNI No. UPHIN/2011/46455 www.amarbharti.com रविवार, 21 अप्रैल 2024 शक सम्व

कृषि विज्ञान केन्द्र थरियांव में मना स्वर्ण जयंती समारोह

अमर भारती ब्यूरो

कानपुर। सीएसए के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र धरियाव में आज केवीके स्वर्ण जयंती कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर किसानो के बीच कृषि तकनीकी प्रसार में कार्य करते हुए 50 वर्ष पूरे होने पर कृषकों के बीच परिचर्चा हुई।देश में सर्व प्रथम 1974 में पुडुचेरी में कृषि विज्ञान केन्द्र की स्थापना हुई उसके बाद निरंतर हर प्रदेश के जनपद में कृषि विज्ञान केन्द्र खोले गए। आज देश में *731एवं उत्तर प्रदेश में 86 कृषि विज्ञान केन्द्र खुल चुके है।निदेशक प्रसार डाश्र आरश्र केश्र यादव ने मशाल डाश्र साधना बैश, प्रभारी अधिकारी को सौंपी कि जनपद फतेहपुर में ये गोल्डन जुबली मशाल के साथ कृषकों के बीच कृषि विज्ञान केंद्र की भूमिका, उपलब्धियों पर चर्चा कर कृषकों के विचार साझा करने हेतु कार्यक्रम आयोजित किया जाए। कार्यक्रम में सर्वप्रथम कृषकों तथा उपस्थित वैज्ञानिकों का स्वागत

किया गया एवं कार्यक्रम के उद्देश्य पर चर्चा किया गया कि कृषि विज्ञान केंद्र 1989 से निरंतर सेवा करते हुए 35 साल पूरे किए है और जनपद के समस्त 13 विकासखंडों में कृषि विज्ञान केन्द्र की पहुंच हुई है।

चर्चा में उपस्थित वैज्ञानिकों ने अपने विचार रखे जिसमे विभिन्न विकसित माड्यूल, फसल प्रणालियों, विविधीकरण, पशु पालन एवं प्रबंधन की तथा मोती की खेती, एफपीओ के साथ व्यवसायिक प्रशिक्षण आदि के विशेष कार्यक्रम संपन्न किए गए हैं। कृषकों ने अपने अपने विचार व्यक्त किए कृषकों का कहना था कि कृषि विज्ञान केन्द्र, के 35 साल में कई खेती तकनीकी , पशुपालन में परिवर्तन हुए है कृषकों को लाभकारी खेती के कई सफल प्रयोग किए गए है।